आर.एन.आई. नं.- MPHIN/2015/66655

साप्ताहिक समाचार पत्र

त्रिकाल दृष्टि

सच का दर्पण

वर्ष-2 अंक-8, भोपाल, सोमवार, 20 से 26 मार्च 2017 पृष्ठ- 8 मूल्य : 3.00 रूपये www.trikaldrishti.com

संक्षिप्त समाचार

दीघा में मंच टूटने से लालू की कमर में लगी चोट

पटना। दीघा में शुक्रवार को एक यज्ञ समारोह में शामिल होने गये राजद प्रमुख लालू प्रसाद मंच टूटने से घायल हो गये हैं. उनकी कमर में चोट लगने के बाद उनका रात में आइजीआइएमएस में इलाज कराया गया. डॉक्टरों का कहना है कि लालू प्रसाद की कमर की हड्डी (एल-वन) में चोट लगी है. इसके कारण उनकी कमर के पास काफी सूजन और दर्द है. वहीं, मीडिया से लालू प्रसाद ने बताया कि गोल माला पहनाने में मंच पर अधिक संख्या में लोग चढ़ गये, जिससे मंच टूट गया. इससे मेरी कमर में चोट लगी है. दर्द हो रहा है. इलाज कराने पहुंचा हूं. हालांकि, मैं चल-फिर रहा हूं. उधर लालू प्रसाद से मिलने राजद के मंत्री व विधायक व कार्यकर्ता आइजीआइएमएस पहुंचे. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने लालू प्रसाद को फोन कर उनका हालचाल लिया.

EVM में छेड़छाड़: सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से मांगा जवाब

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय (SC) ने हाल के विधानसभा चुनावों में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (EVM) में छेड़छाड़ किये जाने के आरोपों पर शुक्रवार को चुनाव आयोग से जवाब मांगा। सुप्रीम ने इन आरोपों की सॉफ्टवेयर विशेषज्ञों से जांच कराने की मांग करने वाली एक जनहित याचिका पर जवाब देने के लिए आयोग को 4 दिन का समय दिया है। प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति जे. एस. खेहर, न्यायमूर्ति डी. वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति ए. के. कौल की पीठ ने एक याचिका पर चुनाव आयोग को नोटिस जारी किया। याचिका में आरोप लगाया गया है कि चुनाव आयोग द्वारा चुनावों में इस्तेमाल लायी जाने वाली मशीनों में आसानी से छेड़छाड़ की जा सकती है। वकील एम. एल. शर्मा ने व्यक्तिगत रूप से यह जनहित याचिका दायर की है। याचिका में शीर्ष अदालत से मांग की गयी है कि वह केंद्र सरकार को किसी राजनीतिक दल द्वारा निहित स्वार्थ को लेकर EVM में कथित रूप छेड़छाड़ किये जाने के मामले की जांच के लिए प्राथमिकी दर्ज करने और शीर्ष अदालत में जांच रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दे।

ढाका हवाईअड्डे पर 'आत्मघाती हमला'

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका स्थित अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर शुक्रवार को एक संदिग्ध आत्मघाती हमलावर ने स्वयं को विस्फोट करके उड़ा लिया। इस हमले की जिम्मेदारी आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस) ने ली है. करीब एक सप्ताह पहले बांग्लादेश की रैपिड एक्शन बटालियन के शिविर पर भी ऐसा ही हमला हुआ था. करीब 30 वर्षीय हमलावर ने जीन्स और शर्ट पहनी हुई थी. उसने शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के पास स्थित पुलिस चौकी के बाहर स्वयं को विस्फोटक से उड़ा लिया. पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मीडिया से कहा, यह आत्मघाती हमला मालूम होता है.. व्यक्ति ने पुलिस चौकी के सामने स्वयं को विस्फोटक से उड़ा लिया. बीडीन्यूज24 डॉट कॉम की खबर के अनुसार, आत्मघाती हमलावर ने हवाईअड्डे के प्रवेश द्वार पर तैनात पुलिसकर्मियों को निशाना बनाकर स्वयं को उड़ा लिया, इसमें उसकी मौत हो गई. तत्काल हमलावर की पहचान नहीं हो पाई. सशस्त्र पुलिस बटालियन की सहायक आयुक्त तनजिला अक्तर ने समाचार वेबसाइट को बताया कि घटना शुक्रवार को स्थानीय समयानुसार शाम करीब साते बजे हुई. पुलिस अधिकारी ने कहा, युवा व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई. पुलिस ने कहा कि हमलावर के पास एक ट्राली बैग था, जिसमें तीन और बम थे. बाद में बम निरोधक दस्ते द्वारा नियंत्रित विस्फोट के जरिए इन बमों को उड़ा दिया गया।

शिवसेना सांसद ने उड़ान प्रतिबंध के बाद पकड़ी ट्रेन, शिवसेना बोली, यदि एयर इंडिया को लोग ब्लैकलिस्ट कर दें तो

नई दिल्ली। शिवसेना ने एयर इंडिया के कर्मचारी को विमान में पीटने और खुशी से अपनी इस करतूत का बखान करने वाले अपने सांसद रवींद्र गायकवाड़ का साथ देने का फैसला किया है. शिवसेना नेता संजय राउत ने कहा, एयर इंडिया को आत्मनिरीक्षण करने की जरूरत है और उसे विचार करने की जरूरत है कि अगर जनता ने एयरलाइन को ब्लैकलिस्ट करने का फैसला ले लिया तब क्या होगा. वहीं, सांसद गायकवाड़ ने भी कहा है कि कर्मचारी को ही उनसे माफी मांगनी चाहिए.

शिवसेना सांसद ने उड़ान प्रतिबंध के बाद पकड़ी ट्रेन

एयर इंडिया के एक कर्मचारी से मारपीट करने पर घरेलू एयरलाइनों द्वारा लगाए गए उड़ान प्रतिबंध के चलते शिवसेना सांसद रवींद्र गायकवाड़ को शनिवार को ट्रेन से यात्रा करनी पड़ी. रेल मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि गायकवाड़ हजरत निजामुद्दीन स्टेशन से मुंबई के लिए अगस्त क्रांति एक्सप्रेस से रवाना हुए. अधिकारी ने बताया कि सांसद ने मुंबई राजधानी के एसी-2 टियर कोच नंबर ए-1 में तीन सीट बुक कराई हैं. उनके साथ एक व्यक्ति है. उन्होंने बताया कि सांसद के साथी का स्वास्थ्य ठीक नहीं है और मथुरा स्टेशन पर एक डॉक्टर ने उन्हें देखा. ट्रेन के सुबह 10 बजे मुंबई पहुंचने की उम्मीद है.

ट्रेन में बिगड़ी सांसद महोदय की तबियत : एयर इंडिया की फ्लाइट का टिकट कैंसल होने के बाद दिल्ली-मुंबई अगस्त क्रांति से मुंबई जा रहे शिवसेना के सांसद रवींद्र गायकवाड़ की हाई बीपी की शिकायत पर मुथरा में ट्रेन को रोककर उनके स्वास्थ्य की जांच की गई. जांच में ब्लड प्रेशर सामान्य पाया गया. इस कारण ट्रेन को दो मिनट अतिरिक्त मथुरा जंक्शन पर रोका गया. दिल्ली से ट्रेन रवाना होने के बाद, सांसद ने कोच कंडक्टर से हाई ब्लड प्रेशर की शिकायत की. इस पर कोच कंडक्टर ने आगरा कंट्रोल रूम को सूचित किया. ट्रेन का मथुरा में तीन मिनट का स्टॉपेज है. रेलवे के डॉ. धीरेंद्र गुप्ता ने मथुरा ने मथुरा में सांसद का चेकअप किया. जांच में गायकवाड़ का ब्लड प्रेशन नॉर्मल पाया गया. इसके बाद ट्रेन करीब दो मिनट अतिरिक्त समय तक रोककर मथुरा से मुंबई के लिए रवाना की गई. गौरतलब है कि एयर इंडिया के साथ ही कई निजी विमानन कंपनियों ने भी रवींद्र गायकवाड़ को ब्लैकलिस्ट कर दिया है. यहां तक कि एयर इंडिया और इंडिगो ने तो सांसद मोहदय का शुक्रवार का टिकट तक कैंसल कर दिया. संजय राउत ने कहा कि गायकवाड़ के खिलाफ एयर इंडिया ने 2 मामले दर्ज कराए हैं और कानून अपना काम करेगा. उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी अपने इस सांसद को कोई दंड नहीं देने जा रही. उन्होंने यह भी कहा कि सांसद को बिजनेस क्लास में बुकिंग होने के बावजूद इकोनॉमी क्लास में बिठाया गया, साथ ही यह भी स्पष्ट होना बाकी है कि किसने हिंसा की शुरुआत की. प्रतिबंध के बावजूद शिवसेना सांसद को कोई पछतावा नहीं एयर इंडिया के एक बुजुर्ग कर्मचारी को चप्पल से पीटने पर मचे बवाल के बीच सभी प्रमुख घरेलू एयरलाइंस ने शिवसेना सांसद रवींद्र गायकवाड़ के विमान में सवार होने पर रोक लगा दी. यह भारतीय उड्डयन इतिहास में अभूतपूर्व कदम है. महाराष्ट्र के उस्मानाबाद से सांसद को हालांकि अपने आचरण पर कोई पछतावा नहीं है. इस बीच, पुणे दिल्ली उड़ान में 62 वर्षीय ड्यूटी मैनेजर आर सुकुमार को बार-बार सैंडल से पीटने के मामले में एयर इंडिया द्वारा दर्ज कराई गई।

अमेरिकी अखबार ने कहा- योगी को CM बनाना मुस्लिमों का अपमान, भारत का पलटवार

नई दिल्ली। योगी आदित्यनाथ को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाए जाने को लेकर अमेरिकी अखबार न्यूयॉर्क टाइम्स के संपादकीय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना किए जाने पर भारत सरकार ने कड़ा ऐतराज जताया है. भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गोपाल बागले ने इस लेख पर कहा, सभी संपादकीय या विचार व्यक्तिपरक होते हैं. इस मामले में भी ऐसा ही है. देश या विदेश में विशुद्ध लोकतांत्रिक तरीके से निकले जनादेश पर संदेह करने की प्रवृत्ति सवालिया निशान खड़े करती है. बता दें कि इस अमेरिकी अखबार ने हिंदू कट्टरपंथियों से मोदी की गलबहियां शीर्षक से छपे लेख में कहा था कि 2014 में चुने जाने के बाद से ही, मोदी अपनी पार्टी के कट्टर हिंदू बेस का तुष्टीकरण करते हुए विकास और आर्थिक प्रगति के धर्मनिरपेक्ष लक्ष्यों को प्रमोट कर धोखे का खेल खेल रहे हैं. इस संपादकीय में साथ ही कहा गया था कि प्रधानमंत्री मोदी की पार्टी भारतीय जनता पार्टी द्वारा 'फायरब्रांड हिंदू संन्यासी' को उत्तर

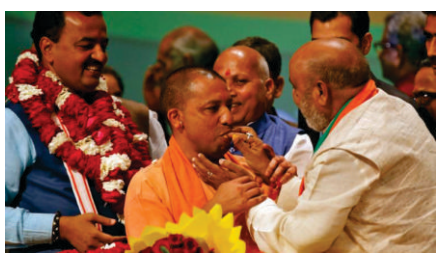

प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाना धार्मिक रूप से अल्पसंख्यकों के लिए 'चौंकाने वाले अपमान' जैसा है. बता दें कि 11 मार्च को आए उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के नतीजों में बीजेपी गठबंधन ने 325 सीटें जीती थी. इस प्रचड़ बहुमत के बाद बीजेपी ने योगी आदित्यनाथ को मुख्यमंत्री पद के लिए चुनाव किया था.

अमेरिका ने सौंपी अवैध प्रवासियों की सूची

वाशिंगटन। अमेरिका ने 271 भारतवंशियों की सूची सौंपी है, जो भारत से जाकर वहां अवैध रूप से रह रहे हैं. हालांकि भारत सरकार ने इस सूची को मानने से इनकार कर दिया है. विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने कहा कि इन लोगों को वेरीफिकेशन के बाद ही भारत में वापस आने की इजाजत दी जाएगी. उन्होंने बताया कि हमने अमेरिका की ओर से सौंपी गई सूची को स्वीकार नहीं किया है और इनकी विस्तृत जानकारी मांगी है, जिसके सत्यापन के बाद इनके प्रत्यर्पण के लिए इमरजेंसी सर्टीफिकेट जारी किए जाएंगे. राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान स्वराज ने बताया कि डोनल्ड ट्रंप के अमेरिकी राष्ट्रपति बनने के बाद भी अमेरिका के साथ विदेश नीति में कोई बदलाव नहीं हुआ है. कुछ सांसदों ने ट्रंप प्रशासन की ओर से उठाए गए कदमों से भारतीयों पर पड़ने वाले असर को लेकर सवाल उठाया था. अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे भारतीयों पर ट्रंप के आदेश पर स्वराज ने कहा कि अमेरिका में विदेशी कारोबारियों के लिए जारी होने वाले HvB और Lv वीजा से संबंधित चार विधेयक अमेरिकी कांग्रेस में पेश किए गए हैं, लेकिन अभी तक ये पास नहीं हुए हैं।

एसिड अटैक पीड़िता के सामने तीन महिला कॉन्स्टेबल ने ली सेल्फी

नई दिल्ली। लखनऊ में अस्पताल में भर्ती कथित गैंगरेप और तेजाब हमले की पीड़िता के सामने सेल्फी लेने वाली तीनों महिला कॉन्स्टेबल पर गाज गिर गई है. महिला कॉन्स्टेबलों के सेल्फी लेने का प्रकरण सोशल मीडिया पर वायरल होने पर राज्य पुलिस ने इन तीनों असंवेदनशील महिला पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की. पीड़िता को एसिड पीने पर मजबूर किया गया था. वह मेडिकल कालेज में भर्ती है. उसके बेड के पास बैठी तीन महिला कॉन्स्टेबल के सेल्फी लेने की फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो गई. घटना का संज्ञान लेते हुए पुलिस महानिरीक्षक (लखनऊ जोन) ए सतीश गणेश ने कहा कि इन असंवेदनशील पुलिसकर्मियों पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी. उन्होंने पुलिस उप महानिरीक्षक और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को निर्देश दिया कि वे घटना का संज्ञान लें और कार्रवाई करें. एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि हम फोटो की जांच करेंगे. विभागीय जांच के बाद निलंबन की कार्रवाई हो सकती है. रायबरेली जिले के ऊंचाहार रेलवे स्टेशन पर गंगा गोमती एक्सप्रेस में सवार हुई महिला को मोहनलालगंज स्टेशन पर दो लोगों ने जबरन एसिड पिलाया था, जिसके बाद उसे मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया. राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि आरोपियों भोंदू सिंह ओर गुडडू को गिरफ्तार कर लिया गया है।

अब सरकार लगवाएगी बुजुर्गों की बत्तीसी

बुजुर्गो ने मंत्री से कहा बत्तीसी भी लगनी चाहिए, तैयार कराई योजना

इंदौर। तिलकनगर में हुई लूट के सीसीटीवी फुटेज से पुलिस ने लुटेरों का पता लगाया और पकड़ लिया। बदमाश रेस्टोरेंट में डकैती डालने वाले थे। पुलिस के अनुसार 14 मार्च को तिलकनगर के जैन मंदिर के पास चेन लूट हुई थी। इसमें लुटेरे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो चुके थे। वहां के फुटेज वाट्सएप पर शेयर किए गए। हीरानगर टीआई शशिकांत चौरसिया के पास भी पहुंचे। उन्हें फुटेज में नजर आ रहे एक बदमाश का चेहरा चेतन उर्फ छोटू चौधरी निवासी गणेशनगर से मिलता नजर आया। छानबीन में सामने आया कि चेतन और उसका साथी विक्की उर्फ धमेन्द्र निवासी स्कीम 78 गैंग बनाकर वारदात करते हैं। सभी मिलकर नक्षत्र गार्डन से आगे सेज रेस्टोरेंट में डकैती डालने वाले हैं। पुलिस ने घेराबंदी की और चार आरोपियों को पकड़ लिया। इनका पांचवां साथी बाइक लेकर फरार हो गया।

ये आरोपी पकड़ाए : आरोपियों में रोहित पिता महेश छीपा, विक्की उर्फ धर्मेन्द्र पिता अशोक राजपूत कुशवाह, तन्मय उर्फ एडू पिता तारक देवनाथ बंगाली निवासी स्कीम 78 और चेतन उर्फ छोटू पिता हेमराज चौधरी निवासी गणेशनगर है। इन्होंने भागने वाले साथी का नाम गोलू शूटर निवासी राजीव आवास विहार कॉलोनी बताया। आरोपियों से कट्टा, चाकू, लोहे की रॉड व बाइक जब्त की है।

सात थाना क्षेत्रों में कर चुके हैं लूटपाट

बदमाशों पर दस-दस अपराध दर्ज है। इन्होंने हीरानगर, विजयनगर, कनाड़िया, तिलकरनगर , लसूड़िया, एमआईजी व तेजाजीनगर थाना क्षेत्रों में लूटपाट करना कबूला।

- चेतन ने 14 मार्च को तिलकनगर में जैन मंदिर के पास हेमलता शर्मा से चेन लूटी।
- 24 अप्रैल 2015 को चेतन और विक्की ने वीणानगर में मनीषा माण्डवकर से चेन लूटी।
- 4 फरवरी 2015 को अपोलो हॉस्पिटल के पीछे चेतन व विक्की ने महिला से हार झपटा।
- 24 फरवरी 2013 को चेतन व तन्मय ने स्कीम 54 में महिला से चेन लूटी।
- 6 जनवरी 2017 को चेतन व विक्की ने सर्वसुविधा नगर में ओरियंटल बैंक के पीछे मीना जैन की चेन झपटी।

उज्जैन में जारी विक्रमोत्सव में 25 मार्च को विधानसभा अध्यक्ष

उज्जैन। उज्जैन में जारी विक्रमोत्सव आयोजन के दौरान आगामी 25 मार्च को प्रदेश की विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीतासरन शर्मा सम्मिलित होंगे। इनके अलावा इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री श्री पारस जैन, सांसद डॉ. चिन्तामणी मालवीय, महापौर श्रीमती मीना जोनवाल, विधायकगण, श्री बाबूलाल जैन, श्री इकबाल सिंह गांधी, श्री श्याम बंसल भी उपस्थित रहेंगे। यह जानकारी विधायक डॉ. मोहन यादव ने दी। उल्लेखनीय है कि 25 मार्च को विक्रमोत्सव के अंतर्गत श्री जॉल सेवा निकेतन विद्यालय प्रांगण, फ्रीगंज में शाम 7 बजे महानाट्य 'सम्राट विक्रमादित्य' का आयोजन होगा। विधानसभा अध्यक्ष तथा अतिथिगण इसी आयोजन के अवसर पर सम्मिलित होंगे।

इंडस्ट्री की जरूरत बताएंगे उद्योगपति, पाठ्यक्रम में बदलाव करेगा विवि

इंदौर। इंडस्ट्री की जरूरत को समझने के लिए शनिवार को स्कूल ऑफ इकॉनोमिक्स में नेशनल सेमिनार रखा गया है। जहां प्रदेशभर के उद्योगपतियों से शिक्षाविद् चर्चा करेंगे। बाकायदा उनके सुझाव को पाठ्यक्रम में लेने की तैयारी चल रही है। इसे लेकर विवि प्रशासन ने इंडस्ट्री की तरफ हाथ बढ़ाया है। शनिवार को रखे गए सेमिनार में आईएमएस, स्कूल ऑफ इकॉनोमिक, आईआईपीएस और फ्यूचर स्टडीज विभाग अपना प्रेजेंटेशन देंगे। आईएमएस जहां प्रबंधन के बारे में बताएगा। वहीं इकॉनोमिक विभाग आर्थिक विश्लेषण करेगा। विभागाध्यक्ष डॉ. गणेश कावडिया ने बताया कि इंडस्ट्री में नए बदलाव को जानने का मौका मिलेगा, जिसे विद्यार्थियों को उस दिशा में तैयार कर नौकरियों के अवसर प्रदान किए जाएंगे। साथ ही उद्योगपतियों के सुझाव को देखते हुए विवि ने पाठ्यक्रम में बदलाव करने का विचार किया है। इससे विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ ही इंडस्ट्री के बारे में बताया जाएगा।

स्टेशनरी व्यापारियों के यहां पकड़ी पौन करोड़ से ज्यादा की कर चोरी

इंदौर। वाणिज्यिककर विभाग ने तीन स्टेशनरी व्यापारियों के यहां पौन करोड़ से ज्यादा की कर चोरी पकड़ी। तीन दिन पहले विभाग की एंटी इवेजन विंग 'ए' ने व्यापारियों पर छापामार कार्रवाई की थी। विंग प्रभारी उपायुक्त डॉ. धर्मपाल शर्मा की अगुआई में 40 से ज्यादा अधिकारियों की टीम ने खजूरी बाजार के कृपाल स्टेशनरी और उसके सहयोगी, महेश मार्केटिंग और सागर ट्रेडर्स पर छापा मारा था। व्यापारियों के एरोड्रम, गुमास्ता नगर और राजमहल कॉलोनी स्थित घरों पर भी जांच की गई थी। मौके पर ही व्यापारियों से पेनल्टी व कर के 76.20 लाख रुपए चालान से जमा करवाए हैं। दस्तावेजों की स्क्रूटनी के बाद और भी हिसाब निकाला जा सकता है।

मुखबिर की सूचना पर पकड़ाई इनोवा, बकाया था साढ़े चार लाख टैक्स

इंदौर। राजस्व लक्ष्य की प्राप्ति के लिए चेकिंग में जुटे आरटीओ ने शक्रवार को एक इनोवा कार जप्त की। इस पर करीब साढ़े चार लाख का टैक्स बकाया था। गाड़ी पक्कर थी इसलिए उसे क्रेन की सहायता ले जाया गया। विभाग अब इनोवा के खिलाफ विशेष चेकिंग अभियान शुरू करेगा। आरटीओ एमपी सिंह ने बताया कि सूचना मिली थी आंबेडकर नगर में एक इनोवा (एमपी 09 एलएल 3911) खड़ी हुई है। इस पर काफी टैक्स बकाया है। इसके बाद उड़नदस्ता प्रभारी किशोर सिंह बघेल को मौके पर भेजा गया। वाहन मालिक टैक्स भरने के लिए मोहलत की मांग करने लगा। बघेल ने बताया कि हमने उन्हें कहा कि 2005 से गाड़ी पर टैक्स बकाया है, जिसे हाथों हाथ ही जमा करना होगा। अन्यथा गाड़ी जप्त की जाएगी। इसके बाद गाड़ी को जप्त कर आरटीओ ले आए। इसके अलावा 30 अन्य वाहनों पर भी कार्रवाई की गई है। निजी वाहन टैक्सी कोटे में करवाई रजिस्टर्ड : बघेल ने बताया कि ऐसे इनोवा वाहनों के खिलाफ विभाग विशेष अभियान शुरू करेगा, जिन्हें निजी उपयोग के लिए लेने के बाद भी टैक्सी कोटे में रजिस्टर्ड करवाया गया है और उनका नियमानुसार परमिट फिटनेस नहीं करवा रहे हैं। पिछले कुछ दिनों में आधा दर्जन से अधिक इनोवा पकड़ी गई है।

उप्र के मुख्यमंत्री की आपत्तिजनक फर्जी फोटो पोस्ट करने पर हंगामा

गौतमपुरा। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की आपत्तिजनक तस्वीरें फेसबुक पर पोस्ट करने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है। शक्रवार को डाबरी मोहल्ले के शब्बीर मंसूरी ने फोटो फेसबुक पर साझा की। यह जानकारी लगते ही हिंदू संगठन के पंकज सक्सेना, दिलीप राजपूत, राजेश महंत, योगेश शर्मा, गोलू ठाकुर, अशोक परमार सहित सौ से अधिक लोगों ने विरोध जताया।

पहल

कैदी दीवार फांदकर बाहर नहीं निकल सकेंगे

सिमी आतंकियों के भागने की घटना से लिया सबक, जेल की दीवारों में बहेगा करंट

उज्जैन। केंद्रीय जेल भैरवगढ़ सहित प्रदेश की सभी जेलों से अब कैदी नहीं भाग सकेंगे। जेल विभाग ने चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था की तैयारी कर ली है। जल्द ही सभी जेलों की दीवारों में करंट छोड़ा जाएगा। इससे कैदी दीवार फांदकर बाहर नहीं निकल सकेंगे। भोपाल जेल से सिमी आतंकियों के भागने के बाद जेलों की सुरक्षा को लेकर गठित कमेटी ने कई सुझाव दिए थे। इसमें जेल की दीवारों में करंट छोड़ना भी शामिल था। हालांकि करंट लगने से मौत नहीं होगी। जेल प्रशासन ने इसके लिए तैयारी कर ली है। जल्द ही इसे अमल में लाया जाएगा।

भोपाल जेल से दीपावली की रात सिमी आतंकियों ने भागने के दौरान एक जेल प्रहरी की हत्या कर दी थी। इसके बाद एटीएस व सुरक्षाकर्मियों ने आतंकियों का एनकाउंटर कर दिया था। घटना से खासे सवाल खड़े हो गए थे। सुरक्षा को लेकर जेल प्रशासन ने एडीजी सुधीर साही की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाई थी।

कमेटी ने जेलों की सुरक्षा के लिए कई सुझाव दिए हैं। इनमें प्रदेश की सभी केंद्रीय जेलों के अलावा सब जेलों की दीवारों पर करंट छोड़ना भी शामिल है। दीवारों पर लोहे की तारों से फेसिंग की जाएगी तथा उसमें करंट छोड़ दिया जाएगा। इससे कैदी दीवार फांदकर भाग नहीं सकेंगे। करंट काफी तेज झटका मारेगा, मगर उसके लगने से किसी की मौत नहीं होगी।

सर्च लाइट लगी, बढ़ेंगे सीसीटीवी कैमरे

भैरवगढ़ जेल में सुरक्षा के लिए परिसर में सर्च लाइट लगाई गई है। हाईमास्ट की रोशनी पूरे परिसर के अलावा बैरकों के बाहर भी काफी है। इससे रात में सीसीटीवी कैमरों में जेल की सभी गतिविधियों पर आसानी से नजर रखी जा सकेगी। इसके अलावा जेल में लगे सीसीटीवी कैमरों की संख्या भी बढ़ाई जा रही है। फिलहाल जेल में 27 कैमरे लगे हैं। इन्हें बढ़ाकर 60 किया जा रहा है।

परिसर को घेरेगी सुरक्षा दीवार

कमेटी ने जेलों की सुरक्षा के लिए दो दीवार बनाने का सुझाव दिया है। इससे एक दीवार पार करने के बाद कैदी दूसरी दीवार आसानी से पार नहीं कर सकें। भैरवगढ़ जेल के बाहर भी एक अतिरिक्त सुरक्षा दीवार बनाई जाएगी। इसके लिए प्रस्ताव जेल विभाग को भेज दिया गया है।

इनका कहना है

भोपाल जेल से आतंकियों के भागने की घटना के बाद जेलों की सुरक्षा के लिए विशेष इतंजाम किए जा रहे हैं। जल्द ही भैरवगढ़ सहित अन्य सब जेलों की दीवारों में करंट छोड़ा जाएगा, जिससे दीवार आसानी से नहीं फांदी जा सकेगी। हालांकि करंट लगने से किसी की मौत नहीं होगी।

-गोपाल ताम्रकार, जेल अधीक्षक केंद्रीय जेल भैरवगढ़

कालभैरव मंदिर में पुजारी नियुक्ति मामले में प्राथमिकी

उज्जैन। कालभैरव मंदिर में पुजारी की नियुक्ति में अनियमितता के मामले में लोकायुक्त ने प्राथमिक जांच पंजीबद्ध की है। इस आशय की सूचना शिकायतकर्ता को पत्र द्वारा दी गई है। शिकायत में आरोप है कि घट्टिया एसडीएम शोभाराम सोलंकी ने नियम विरुद्ध जाकर सदाशिव पिता सिद्धेश्वर को मंदिर में पुजारी नियुक्त कर दिया। लोकायुक्त ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जांच में आरोप सही पाए जाने पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज होगा।

उज्जैन में महाकाल मंदिर के बाहर लगी आग

उज्जैन। महाकालेश्वर मंदिर परिसर के बाहर भस्म आरती गेट की दुकान में रखा सिलेंडर फटने से आग लग गई। तेजी से फैली आग ने चार दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। मंदिर में दर्शन करने पहुंची श्रद्धालु भागने लगे। इस दौरान दुकान संचालकों ने पानी से आग को बुझाने की कोशिश की, लेकिन वे सफल नहीं हो पाए। सूचना मिलने के बाद दमकल की तीन गाड़ियां आग बुझाने मौके पर पहुंची। जानकारी के मुताबिक आग लगने के बाद वहां से 7-8 गैस सिलेंडर को तुरंत हटाया गया, नहीं तो दूसरे सिलेंडर भी आग की चपेट में आ जाते।

नदी संरक्षण का विश्व में सबसे बडा अभियान है नर्मदा सेवा यात्रा : मुख्यमंत्री श्री चौहान

सुधांशु महाराज ने नर्मदा सेवा यात्रा को दिया आर्शीवाद

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि नर्मदा सेवा यात्रा विश्व में नदी संरक्षण का सबसे बड़ा अभियान है। गंगा-जमुनी संस्कृति का अनूठा संगम इस यात्रा में देखने को मिल रहा है। सभी धर्मों के लोग पर्यावरण व जल संरक्षण के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिये समन्वित प्रयास कर रहे हैं। उन्होने कहा कि नर्मदा सेवा यात्रा प्रारम्भ करने मंशा नर्मदा नदी व अन्य नदियों के संरक्षण, स्वच्छता, तथा वृक्षारोपण के प्रति जन-जागरूकता लाने के साथ नशा मुक्ति के लिये समाज में माहोल तैयार करना तथा जैविक खेती को बढावा देना है। मुख्यमंत्री श्री चौहान सीहोर जिले के बुधनी विकासखंड मुख्यालय में नर्मदा सेवा यात्रा में जन संवाद कार्यक्रम में संम्बोधित कर रहे थे। नगरीय विकास मंत्री श्रीमती माया सिंह, लोक निर्माण मंत्री श्री रामपाल सिंह, पूर्व मुख्यमंत्री श्री बाबूलाल गौर, विश्वविख्यात संत श्री सुधांशु महाराज, उज्जैन के संत श्री शांति स्वरूप, प्रख्यात भजन गायक श्री लखवीर सिंह लख्खा, विधायक श्री रामेश्वर शर्मा, मार्क फेड के अध्यक्ष श्री रमाकांत भार्गव, खनिज विकास निगम अध्यक्ष श्री शिव चोबे, वेयर हाउस कार्पोरेशन अध्यक्ष श्री आर.एस. राजपूत, साध्वी सुश्री प्रज्ञा भारती सहित विभिन्न संत उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री शिवराज चौहान ने कहा कि नर्मदा नदी ग्लेशियर से नहीं निकलती है। वर्षा ऋतु के दौरान जमीन द्वारा सोखा गया जल केवल वृक्षों की जड़ो के माध्यम से नर्मदा को पोषित करता है। इसलिये नर्मदा के दोनों तटों पर एक-एक किलोमीटर क्षेत्र में वृक्षारोपण के लिये आगामी 2 जुलाई से विशेष अभियान शुरू होगा। एक ही दिन में बड़वानी अलीराजपुर से लेकर अमरकंटक तक करोडों पौधे नर्मदा तट पर लगाये जाएंगे। उन्होंने कहा कि नर्मदा तटों पर 5 किलोमीटर क्षेत्रों में आगामी 1 अप्रैल से कोई शराब की दुकान संचालित नहीं होगी। इसके लिये सरकार ने आदेश भी जारी कर दिये हैं।

प्रोजेरिया बीमारी के इलाज का पूरा खर्च उठायेगी सरकार

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने एक दिन के बाल आयोग अध्यक्ष श्री श्रेयांश को दिया वचन

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रोजेरिया जैसी गंभीर बीमारी के इलाज का पूरा खर्च सरकार उठायेगी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि ऐसी गंभीर बीमारी के इलाज का हल अवश्य निकलेगा। श्री चौहान ने यहाँ मध्यप्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग के एक दिन के अध्यक्ष 13 वर्षीय मास्टर श्रेयांश बाघमारे से भेंट की और उन्हें वचन दिया कि बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा एवं अन्य अधिकारों के संबंध में प्रभावी कार्रवाई की जायेगी। मास्टर श्रेयांश के जीवन को प्रेरणादायी बताते हुए श्री चौहान ने उनका सम्मान किया।

प्रोजेरिया बीमारी से ग्रसित जबलपुर के रहने वाले मास्टर श्रेयांश ने बाल आयोग के एक दिन का अध्यक्ष बनने पर आयोग के कामों की समीक्षा की और सरकार से प्रोजेरिया ग्रस्त लोगों का इलाज निशुल्क कराने की अपील की। बाल आयोग के अध्यक्ष डॉ. राघवेन्द्र को आदेशित करते हुए कहा कि दिव्यांग बच्चों के इस प्रकार के मंच उपलब्ध

करवाने के लिए जिला स्तर तक आयोजन करवाये जायें। श्री श्रेयांश ने आयोग की वेबसाइट www.cpcr.mp.gov.in का भी शुभारंभ किया।

इस अवसर पर उप लोकायुक्त श्री माहेश्वरी, सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री विश्वास सारंग, बाल आयोग की सदस्य सुश्री निर्मला बारेला, यूनिसेफ के मध्यप्रदेश के डायरेक्टर श्री माइकल जुमा, संचालक लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण श्रीमती किरण शेजवार, शिक्षा विभाग से श्री रमाकांत तिवारी और सुश्री शीला दाहिमा उपस्थित थे।

रियल स्टेट व्यवसायियों की होगी पंचायत

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि आगामी अप्रैल माह में रियल स्टेट व्यवसायियों की पंचायत आयोजित होगी। मध्यप्रदेश में अगले तीन वर्ष में गरीबों के लिये बीस लाख मकान बनाये जायेंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने यहाँ क्रेडाई एम.पी. कानक्लेव को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश के गरीब और कमजोर वर्ग को आवास की गारंटी देने वाला विधेयक बनाया जा रहा है। मध्यप्रदेश के हर गरीब को भूखंड या आवास का मालिक बनाया जायेगा। उन्होंने कहा कि संसाधनों पर सबका समान हक है। आवास लोगों का बुनियादी अधिकार है। श्री नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद विकास का नया दौर शुरू हुआ है। उन्होंने वर्ष 2022 तक सबके लिये आवास देने का लक्ष्य तय किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रियल स्टेट व्यवसायी गरीबों के लिये अफोर्डेबल मकान का मॉडल तैयार करें। रियल स्टेट क्षेत्र में बड़ी संख्या में रोजगार का सृजन होता है। रोजगार सृजन राज्य सरकार की प्राथमिकता का क्षेत्र है। लोक सेवा गारंटी अधिनियम में रियल स्टेट व्यवसायियों को दी जाने वाली चिन्हित सेवाएँ शामिल की जायेगी। उन्होंने कहा कि रियल स्टेट व्यवसाई अपने लिये आचार संहिता बनाये। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिये नर्मदा सेवा यात्रा में भागीदारी का अनुरोध किया।

जनसंपर्क मंत्री डॉ. मिश्र ने माना मीडिया का आभार

भोपाल। जनसंपर्क, जल-संसाधन तथा संसदीय कार्य मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र ने मध्यप्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के समापन पर मीडिया के सहयोग के लिए आभार माना। मंत्री डॉ. मिश्र ने विभिन्न समाचार-पत्रों, टी.वी. चैनल्स और सोशल मीडिया द्वारा सत्र के दौरान निरंतर किए गए दायित्व निर्वहन की सराहना की। उन्होंने विधानसभा और संसदीय कार्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की परिश्रम भावना की भी प्रशंसा की।

नर्मदा सेवा उपयात्रा में 300 से अधिक मुस्लिमजन हुए शामिल

भोपाल। नर्मदा सेवा यात्रा का बुधनी में आगमन हुआ। भोपाल जिले से उपयात्रा हुजूर विधायक श्री रामेश्वर शर्मा के नेतृत्व में बुधनी में मुख्य यात्रा में शामिल हुई। यात्रा में भोपाल के प्यारे मियाँ के नेतृत्व में लगभग 300 से अधिक मुस्लिम भाई भी शामिल हुये। प्यारे मियाँ ने कहा कि पानी धर्म और कर्म से भी उपर है। इसकी रक्षा हम सभी को करना है।

स्वास्थ्य

अति कुपोषित बच्चों के परिवारों को मिलेगी प्रतिमाह दो किलोग्राम सोयाबड़ी

पोषण आहार व्यवस्था में सुधार के समन्वित प्रयास करें : मुख्यमंत्री श्री चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कुपोषण की समस्या को दूर करने के लिये पोषण आहार व्यवस्था में सुधार के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि विभिन्न विभागों के बेहतर समन्वय से योजनाओं को मूर्तरूप दिया जाये। मुख्यमंत्री ने यहाँ अटल बिहारी वाजपेयी बाल आरोग्य एवं पोषण मिशन की साधारण सभा की बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान कई अहम निर्णय लिये गये। इस मौके पर महिला-बाल विकास मंत्री श्रीमती अर्चना चिटनिस एवं मुख्य सचिव श्री बी.पी. सिंह मौजूद थे।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि पोषण आहार वितरण व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य के लिये उठाये गये कदमों के क्रियान्वयन की ठोस व्यवस्था की जायें। श्री चौहान ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से तेल, आटा एवं नमक के फोर्टीफिकेशन के संबंध में राज्य स्तर पर कानून बनाने का प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। अति कम वजन के बच्चों के परिवारों को सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से दो किलो दाल एवं दो किलो चना प्रदाय करने की कार्य-योजना बनाने के भी निर्देश दिए। इस अवसर पर प्रदेश के हाई बर्डन विकासखंडों में गंभीर कुपोषित बच्चों के समुदाय आधारित प्रबंधन के लिये उन्हें एनर्जी डेन्स फूड प्रदान करने का तथा अति कम वजन के बच्चों के परिवारों को प्रतिमाह दो किलोग्राम सोयाबड़ी प्रदान करने का निर्णय लिया गया। अटल बिहारी वाजपेयी बाल आयोग एवं पोषण मिशन अंतर्गत गठित सामान्य सभा की समिति में आयुष विभाग को भी शामिल करने तथा जिला कलेक्टर्स के माध्यम से विभिन्न विभागों में समन्वय स्थापित कर कुपोषित बच्चों के परिवारों को संचालित आजीविका योजनाओं का लाभ दिये जाने का भी निर्णय लिया गया।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के हाई बर्डन विकासखंडों में परियोजना अधिकारी एवं पर्यवेक्षकों के शत-प्रतिशत पद भरने और उन्हें कम से कम तीन वर्ष तक उसी स्थान पर पदस्थ रखने के निर्देश दिये। इससे योजनाओं को जमीनी स्तर तक समय पर पहुँचाया जा सके। साथ ही अच्छा कार्य करने वाले अधिकारियों को पुरस्कृत किया जाये। प्रदेश में कुपोषण कम करने के लिये पेयजल, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिये जाने के लिये कार्य-योजना बनाने के निर्देश दिये।

इस दौरान प्रमुख सचिव महिला-बाल विकास श्री जे.एन.कंसोटिया द्वारा विभागीय गतिविधियों एवं उपलब्धियों की जानकारी दी गयी। बैठक में अपर मुख्य सचिव वित्त श्री ए.पी. श्रीवास्तव, प्रमुख सचिव स्वास्थ्य श्रीमती गौरी सिंह, प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी श्री मनोज गोविल, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री श्री अशोक वर्णवाल, सचिव शिक्षा श्रीमती दीप्ति गौड़ मुखर्जी, आयुक्त जनसंपर्क श्री अनुपम राजन, आयुक्त खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति श्री फैज अहमद किदवई, आयुक्त महिला-बाल विकास श्रीमती पुष्पलता सिंह आदि अधिकारी एवं सदस्य मौजूद थे।

सरकारी स्कूलों में अतिशेष शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण तय समय में होगा

भोपाल। स्कूल शिक्षा मंत्री कुंवर विजय शाह ने कहा है कि शिक्षण सत्र 2017-18 में सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की पढ़ाई व्यवस्थित रूप से हो सके, इसके लिये शालाओं में अतिशेष शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण तय समय-सीमा में पूरा किया जाये। इसके लिये उन्होंने पारदर्शी प्रक्रिया अपनाने को कहा। स्कूल शिक्षा मंत्री विभाग की परामर्शदात्री समिति की बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। बैठक में स्कूल शिक्षा राज्य मंत्री श्री दीपक जोशी, समिति के सदस्य सर्वश्री चन्दर सिंह सिसोदिया, अरूण भीमावद और संजय शाह मौजूद थे। बैठक में बताया गया कि प्राथमिक शालाओं में 27 हजार शिक्षक अतिशेष हैं। बैठक में सदस्यों ने राय दी कि शासकीय शालाओं में शौचालयों और अन्य बुनियादी सुविधाओं के लिये नगरीय एवं पंचायत निकायों की मदद ली जाये। शाला उपकर राशि का भी पूरा-पूरा उपयोग किया जाये।

सम्पादकीय

तकनीकी शिक्षा सुविधाओं में हुई उल्लेखनीय वृद्धि

राज्य सरकार के दृढ़ संकल्प और कुशल नीतियों से प्रदेश में तकनीकी शिक्षण संस्थाओं की संख्या एवं प्रवेश क्षमता में प्रभावी बढ़ोत्तरी हुई है। वर्ष 2005 की तुलना में पिछले वित्त वर्ष तक बी.ई. में लगभग पाँच सौ और डिप्लोमा पाठ्यक्रम में चार सौ प्रतिशत विद्यार्थियों की संख्या बढ़ी है। इस अवधि में इंजीनियरिंग कॉलेज की संख्या में 336 और पॉलीटेक्निक कॉलेज की संख्या में 329 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वर्ष 2004-05 में इंजीनियरिंग कॉलेज 63 थे, जो वर्ष 2015 में बढ़कर 212 हो गये। इसी तरह पॉलीटेक्निक कॉलेज की संख्या 44 से बढ़कर 145 हो गई है।

आई.टी.आई. सीट 18,664 से बढ़कर एक लाख 30 हजार 564 : प्रदेश में कौशल उन्नयन के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय काम विगत ग्यारह वर्ष में हुआ है। वर्ष 2005 में कुल आई.टी.आई.171 थे, जो अब 930 हो गए हैं। इनमें शासकीय आई.टी.आई. की संख्या 141 से बढ़कर 225 हो गयी है। आई.टी.आई. में सीटों की संख्या 18 हजार 664 से बढ़कर एक लाख 19 हजार 665 हो गयी है।

विकास के नये आयाम : प्रदेश में इस अवधि में तकनीकी शिक्षा के विकास में नये आयाम स्थापित हुए हैं। वर्ष 2005 में जबलपुर में इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ इंफार्मेशन टेक्नालॉजी, डिजायन एण्ड मेन्यूफेक्चरिंग की स्थापना हुई। वर्ष 2008 में भोपाल में नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ फैशन टेक्नालॉजी, इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ साईंस एजुकेशन एण्ड रिसर्च और स्कूल ऑफ प्लानिंग एण्ड आर्किटेक्चर की स्थापना हुई। वर्ष 2009 में आई.आई.टी. इंदौर की शुरूआत हुई। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद्, नई दिल्ली द्वारा प्रवेश के 86 शासकीय/निजी इंजीनियरिंग एवं पॉलीटेक्निक महाविद्यालयों को प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना में चुना गया है। इनमें बेरोजगार युवाओं को कौशल उन्नयन का प्रशिक्षण दिया जायेगा। पॉलीटेक्निक महाविद्यालयों में आई.टी.आई. से संबंधित प्रशिक्षण दिलवाने की भी योजना है। चार पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में कम्युनिटी कॉलेज की स्थापना की गयी है। इससे इन महाविद्यालय में निर्धारित समय के बाद विद्यार्थियों को विशेष ट्रेड में प्रशिक्षण दिलवाने की व्यवस्था हुई है।

शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार : शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार के लिये अमले की पूर्ति के विशेष प्रयास भी इस अवधि में हुए हैं। पॉलीटेक्निक महाविद्यालयों में 315 और इंजीनियरिंग महाविद्यालयों में 44 पद पर भर्ती की जा चुकी है। विद्यार्थियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए विश्वविद्यालय को ऑनलाइन उपस्थिति भेजने के साथ ही संस्था की वेबसाइट पर भी अपलोड की जाती है। संस्थाओं में विषय-विशेषज्ञों के व्याख्यान करवाये जा रहे हैं। प्रचलित पाठ्यक्रमों में जरूरत के अनुसार बदलाव तथा कौशल विकास पर चर्चा के लिए शिक्षकों, विशेषज्ञों, विश्वविद्यालय के अधिकारियों और नैस्काम के प्रतिनिधियों के साथ गहन विमर्श के लिये कार्यशाला की गयी। इस वर्ष अगस्त से अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिये बायो-मेट्रिक उपस्थिति की व्यवस्था लागू हुई है।

भविष्य की योजनाएँ : प्रदेश में दो नये तकनीकी विश्वविद्यालय उज्जैन एवं जबलपुर में शुरू करने, शिवपुरी में एनटीपीसी के सहयोग से इंजीनियरिंग महाविद्यालय प्रारंभ करने, सिंगरौली में भारत सरकार, इस्पात मंत्रालय तथा मध्यप्रदेश माईनिंग कार्पोरेशन के सहयोग से इंजीनियरिंग महाविद्यालय की स्थापना, राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान में धार में इंजीनियरिंग महाविद्यालय की स्थापना, जिला मुख्यालयों पर एक हजार परीक्षार्थियों की क्षमता वाले ऑनलाईन परीक्षा केन्द्रों का पीपीपी मोड में निर्माण, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद्, नई दिल्ली की योजना में वर्तमान में संचालित पोलीटेक्निक कॉलेज में आईटीआई प्रशिक्षण संस्थाओं को प्रारंभ करने और आगर-मालवा में नवीन पोलीटेक्निक कॉलेज की स्थापना अगले सत्र से प्रस्तावित है।

कौशल विकास : आईटीआई प्रशिक्षण में गुणात्मक सुधार के उद्देश्य से राज्य शासन ने अनेक प्रभावी कदम उठाये हैं। वर्ष 2005-06 में आईटीआई में प्रशिक्षण अधिकारियों के 187 पद स्वीकृत थे, जो वर्ष 2015-16 में 4105 हो गये। विश्व बैंक की सहायता से व्होकेशनल ट्रेनिंग इम्प्रूवमेंट प्रोजेक्ट में 36 आईटीआई के उन्नयन के लिये पहले प्रावधानित 75 करोड़ के साथ ही 44 करोड़ 70 लाख रुपये अतिरिक्त स्वीकृत किये गये हैं। इन संस्थाओं में संचालित व्यवसायों को एनसीव्हीटी के मापदण्डों के अनुसार उन्नयन किया गया है। राज्य शासन ने अपने बजट से वर्ष 2015 में 26 नवीन संस्थाएँ प्रारंभ की हैं। इनमें 6 ट्रेड के आईटीआई भवन, 60 सीटर छात्रावास और आवासीय क्वार्टर बनाये जा रहे हैं।

अधोसंरचना विस्तार : वर्ष 2007 से 2016 तक आईटीआई के भवन एवं अन्य निर्माण कार्यों के लिये 773 करोड़ की प्रशासकीय स्वीकृति दी गयी। कुल 184 निर्माण कार्य करवाये गये। नाबार्ड के ऋण से प्रथम चरण में 40 और दूसरे चरण में 30 आईटीआई भवन का निर्माण करवाया जा रहा है। कुल लागत 209 करोड़ 11 लाख रुपये है।

'पब्लिक-प्रायवेट पार्टनरशिप योजना' में 74 संस्था को शामिल किया गया है। वर्ष 2007-08 में अनुसूचित-जाति के प्रशिक्षणार्थियों के लिये एकलव्य औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाएँ धार एवं बैतूल में महिलाओं के लिए तथा वर्ष 2013 से खेड़ी (खालवा) एवं चकल्दी में प्रारंभ की गयीं। अम्बेडकर आईटीआई योजना में मुरैना में पुरुषों के लिये तथा सीहोर में महिलाओं के लिये संस्था संचालित है।

- पराग वराडपांडे

नर्मदा और सहायक नदियाँ प्रदेश में स्थाई परिवर्तन की संवाहक बनी

नर्मदा और उसकी सहायक नदियों में उपलब्ध जल राशि का विकास में उपयोग करने के लिये पिछले 11 वर्षों में जो योजनाबद्ध प्रयास हुए उनसे नर्मदा और उसकी सहायक नदियाँ मध्यप्रदेश के एक बडे भू-भाग में स्थाई परिवर्तन की संवाहक बनी है। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश की जीवन-रेखा नर्मदा प्रदेश के अनुपपूर जिले में अमरकण्टक पर्वत माला से निकलकर मध्यप्रदेश की सीमा तक 1077 किलोमीटर प्रवाहित होती है। प्रदेश के 16 जिले इसके प्रवाह क्षेत्र में आते हैं। मध्यप्रदेश में अपनी यात्रा में 39 प्रमुख सहायक नदियाँ नर्मदा से मिलती हैं। अमरकण्टक से निकलने के बाद नर्मदा के मुख्य प्रवाह पर रानी अवंतीबाई सागर परियोजना बांध निर्मित है। बांध की बाँयी मुख्य नहर से जबलपुर तथा नरसिंहपुर जिले में 1 लाख 57 हजार हेक्टेयर रकबा सिंचित होगा। वर्तमान में 1 लाख 20 हजार हेक्टेयर क्षेत्र सिंचित हो रहा है। बांध की दाँयी मुख्य नहर से जबलपुर, कटनी, रीवा और सतना जिलों में 2 लाख 45 हजार हेक्टेयर क्षेत्र सिंचित होगा। सिंचाई का यह विस्तार इन जिलों में कृषि क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन लाने की ओर अग्रसर है। परियोजना जलाशय मछली उत्पादन के स्थाई लाभ के साथ ही 100 मेगावाट बिजली उत्पादन का लाभ भी दे रहा है। जलाशय से 175 मीट्रिक टन औसत मछली उत्पादन हो रहा है।

मुख्य नदी पर इसके आगे चिंकी सिंचाई योजना का निर्माण होगा। चिंकी उद्वहन प्रणाली रायसेन और नरसिंहपुर जिलों में 1 लाख 4 हजार हेक्टेयर कृषि रकबा सिंचित करेगी। चिंकी उद्वहन प्रणाली के आगे नर्मदा का प्रमुख इंदिरा सागर बांध जलाशय निर्मित है। इस विशाल जलाशय की जलसंग्रह क्षमता 12.2 अरब घनमीटर है। इंदिरा सागर परियोजना से खरगोन, खण्डवा और बड़वानी जिलों का करीब सवा लाख हेक्टेयर रकबा सिंचित होगा। वर्तमान में मुख्य नहर से एक लाख हेक्टेयर से अधिक रकबा सिंचित हो रहा है। जलाशय से प्रति वर्ष औसतन 2 हजार 300 मीट्रिक टन मछली उत्पादन के साथ ही 1000 मेगावाट बिजली उत्पादन किया जा रहा है।

इंदिरा सागर जलाशय के बाद नर्मदा पर ओंकारेश्वर परियोजना बांध जलाशय निर्मित है। परियोजना से 1 लाख 48 हजार हेक्टेयर सिंचाई क्षमता खरगोन, धार तथा खण्डवा जिलों में निर्मित होगी। वर्तमान में एक लाख हेक्टेयर रकबा सिंचित हो रहा है। जलाशय से 520 मेगावाट बिजली उत्पादन के साथ ही प्रति वर्ष औसतन 12 मीट्रिक टन मछली उत्पादन हो रहा है। ओंकारेश्वर के बाद 400 मेगावाट बिजली उत्पादन क्षमता की महेश्वर जल विद्युत उत्पादन योजना बनकर तैयार है।

12 सहायक नदियों पर भी योजनाएँ निर्माणाधीन : अमरकण्टक से उदगम के बाद नर्मदा से मिलने वाली मुख्य सहायक नदी हालोन पर मण्डला जिले में हालोन सिंचाई बांध परियोजना निर्माणाधीन है। इससे मण्डला जिले में 13 हजार हेक्टेयर कृषि रकबा सिंचित होगा। इसके आगे मण्डला जिले में ही नर्मदा की सहायक मटियारी नदी पर मटियारी योजना 10 हजार 120 हेक्टेयर सिंचाई का लाभ दे रही है। इसके आगे नर्मदा की सहायक शक्कर नदी पर प्रस्तावित योजना नरसिंहपुर छिन्दवाड़ा जिलों को 64 हजार 700 हेक्टेयर सिंचाई का लाभ देगी। इसके आगे नर्मदा से मिलने वाली बारना नदी पर निर्मित बांध जलाशय रायसेन तथा सीहोर जिलों में 60 हजार हेक्टेयर रकबा सिंचित कर रहा है। अगले पड़ाव पर होशंगाबाद जिले में नर्मदा की सहायक दूधी नदी पर 50 हजार हेक्टेयर क्षमता की सिंचाई योजना प्रस्तावित है। इसके आगे सीहोर जिले में 33 हजार हेक्टेयर सिंचाई क्षमता की सहायक नदी कोलार पर होशंगाबाद, हरदा जिलों में 2 लाख 42 हजार हेक्टेयर सिंचाई क्षमता की तवा परियोजना लाभ दे रही है। होशंगाबाद जिले में ही नर्मदा की सहायक मोरण्ड और गंजाल नदियों पर 52 हजार हेक्टेयर कमाण्ड क्षेत्र निर्मित करने वाली सिंचाई योजनाओं का निर्माण होगा।

सहायक नदियों के जल उपयोग के क्रम में सुक्ता नदी पर निर्मित सिंचाई योजना खण्डवा जिले में 16 हजार हेक्टेयर रकबा सिंचित कर रही है। वहीं खरगोन जिले में नर्मदा की सहायक बेदा नदी पर निर्मित परियोजना से 10 हजार हेक्टेयर सिंचाई का लाभ मिल रहा है।

SAAP SOLUTION
Explore New Digital World
- All Types of Website Designing
  - Business Promotion, Lease Website
  - Industrial Product Promotion through industrialproduct.in
  - Get 2GB corporate mail account @ Rs 1500/- Per Annum per mail account with advance sharing feature
- Logo Designing by Experts
- Bulk SMS Services

For more details visit our website saapsolution.com
For enquires contact on 9425313619,
Email: info@saapsolution.com

इमली के ये 7 फायदे जानकर हैरान रह जाएंगे आप

बचपन में आपने इमली तो बहुत खाई होगी और हो सकता है अभी भी आप खाते हों लेकिन क्या आप इससे होने वाले फायदों के बारे में जानते हैं? इमली खाने से इतने फायदे होते हैं जिनके बारे में जानकर आप यकीन नहीं कर पाएंगे. जानें– क्या हैं इमली खाने के 7 बड़े फायदें.

1. मोटापे से मिलता है छुटकारा : इमली खाकर आप मोटापे से छुटकारा पा सकते हैं. इमली में हाइड्रोसिट्रिक नामक एसिड होता है जो आपके शरीर में बनने वाले फैट को धीरे– धीरे कम करता है. इसके अलावा इमली ओवरईटिंग से भी बचाती है जिससे वजन बढ़ने का खतरा नहीं रहता.

2. कैंसर के मरीजों के लिए है फायदेमंद : कैंसर से बचना चाहते हैं तो इमली खाएं. इमली में एंटीऑक्सीडेंट तत्व भरपूर मात्रा में होते हैं और इसमें टैरट्रिक एसिड होता है जो शरीर में कैंसर सेल्स को बढ़ने से रोकते हैं.

3. डायबिटीज कंट्रोल करने में है मददगार: डायबिटीज के मरीजों के लिए इमली बहुत फायदेमंद है, यह ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में मदद करती है. यह शरीर में कार्बोहाइड्रेट्स को एबजॉर्ब होने से रोकती है, जिसकी वजह से शुगर लेवल बिगड़ता है. शुगर को कंट्रोल करने के लिए एक छोटा ग्लास इमली का जूस फायदेमंद साबित होगा.

4. ब्लड प्रेशर भी करती है कंट्रोल : इमली में आयरन और पोटेशियम होता है जो ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने और रेड ब्लड सेल को बनाने में मदद करती है.

5. बिच्छु के काटने पर इमली आती है काम : अगर किसी इंसान को बिच्छू काट ले तो उस समय भी इमली का इस्तेमाल किया जा सकता है. अगर बिच्छू काट ले तो इमली के दो टुकड़े कर के बिच्छू की काटी हुई जगह पर इसे लगा दे, फायदा होगा.

6. इम्यून सिस्टम ठीक करने के लिए : अगर आपकी इम्यूनिटी बहुत कमजोर है और आप कुछ भी काम करने में जल्दी थक जाते हैं या जल्दी बीमार होते हैं तो आपको इमली जरूर खानी चाहिए. इमली में विटामिन सी और एंटी ऑक्सीडेंट्स होते हैं जो इम्यून सिस्टम को बेहतर करते हैं.

7. लू लगने से बचाती है इमली : गर्मियों में अक्सर लू लग जाने से तबीयत खराब हो जाती है. लू से बचने में भी इमली फायदेमंद होती है. एक ग्लास पानी में 25 ग्राम इमली भिगोकर इसका पानी पीने से लू नहीं लगती. इसके अलावा इमली का गूदा हाथ– पैर के तले पर लगाने से लू का असर खत्म हो जाता है.

सोने के मामले में भारतीयों का रिकॉर्ड, 6 घंटे की लेते हैं नींद...

अच्छी नींद, सेहत के लिए उतना ही जरूरी है जितना कि एक्सरसाइज करना और फिजिकल एक्टिविटी करना. लेकिन क्या आप जानते हैं भारतीय सोने के मामले में बहुत पीछे हैं? दुनिया में सबसे कम सोने वालों की लिस्ट में भारतीयों का नाम दूसरे नंबर पर आता है. एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय 6 घंटे 55 मिनट की ऐवरेज नींद लेते हैं. दुनिया भर के 18 देशों पर किए गए सर्वे में केवल जापान ऐसा देश था, जहां के लोग भारतियों से भी कम सोते हैं. जापान के लोग ऐवरेज 6.35 मिनट की नींद लेते हैं. जबकि न्यूजीलैंड के लोग एक रात में 7.25 घंटे, यूके के लोग 7.16 घंटे और ऑस्ट्रेलिया के लोग ऐवरेज 7.15 घंटे की नींद लेते हैं. सर्वे कि यह रिपोर्ट जनवरी 2016 से लेकर दिसंबर 2016 तक के समय की है. सर्वे में यह भी कहा गया है कि भारतीय, अमेरिका और यूरोप के लोगों से कम सोते हैं. बता दें कि अच्छी नींद लेने से इम्यून सिस्टम ठीक बना रहता है और सेहत अच्छी बनी रहती है. वहीं पूरी नींद नहीं लेने से तबीयत बिगड़ भी सकती है.1

सिर दर्द से सर्दी-खांसी तक में रामबाण है दालचीनी, और भी हैं फायदे

मां-दादी के घरेलू नुस्खों में ही दुनिया की कई बीमारियों का इलाज निकल जाता है. क्या आपको पता है शहद और दालचीनी के भी कई फायदे हैं. आइये हम बताते हैं इनके बारे में.

1. सर्दी-खांसी : ये तो सुना होगा कि अगर खांसी हो तो शहद में अदरक मिलाकर खाना चाहिए. लेकिन शहद के साथ पिसी हुई दालचीनी खाएंगे तो जुकाम में जल्दी आराम मिलेगा. साथ ही गर्म पानी में शहद और दालचीनी का पाउडर मिलाकर पीने से खांसी में आराम मिलता है.

2. पेट की बीमारी : पेट से संबंधित बीमारी यानी पेट दर्द, कब्ज और एसिडिटी में दालचीनी पाउडर लेने से आराम मिलता है. साथ ही उल्टी-दस्त की समस्या में भी फायदा मिलता है.

3. सिर दर्द : अगर आपका सर ज्यादा दर्द करने लगे तो दालचीनी का पेस्ट माथे पर लगाने से दर्द छुमंतर हो जाता है.

4. सूजन में फायदेमंद : चोट लगने के कारण कहीं सूजन आ जाए तो दालचीनी के तेल को हल्के गर्म पानी से मालिश करने से सूजन दूर हो सकती है.

5. मुंह की बदबू करे दूर : मुंह से बदबू आने की समस्या में दालचीनी को मुंह में रखकर चूसने से बदबू दूर हो जायेगी.

चावल के आटे के ये फायदे आपको चौंका देंगे

स्किन से जुड़ी बहुत सी परेशानियों को हम घर में मौजूद सामान की मदद से ही दूर कर सकते हैं. हमारे किचन में ही कई ऐसी चीजें होती हैं जिनका सही इस्तेमाल करके हम बहुत सी परेशानियों को दूर कर सकते हैं. इन घरेलू उपायों का सबसे बड़ा फायदा ये है कि इनका कोई साइडइफेक्ट नहीं होता है. साथ ही इनके लिए मोटी रकम भी खर्च नहीं करनी पड़ती. चावल का आटा भी एक ऐसा ही उपाय है जिसके इस्तेमाल से आप त्वचा से जुड़ी कई समस्याओं को दूर कर सकते हैं.

चावल के आटे के फायदे :

1. आंखों के नीचे के काले घेरों को दूर करने में फायदेमंद : दो चम्मच चावल के आटे में आधे पके हुए केले को या फिर एक चम्मच मलाई को अच्छी तरह फेंट लें. आप चाहें तो इस मिश्रण में एक चम्मच बादाम का तेल भी मिला सकते हैं. इस पेस्ट को आंखों के नीचे लगाने से काले घेरे दूर हो जाएंगे.

2. कील-मुंहासों की प्रॉब्लम : चावल के आटे में एक चम्मच शहद और एलोवेरा जेल मिलाकर एक पेस्ट तैयार कर लीजिए. इस पेस्ट को प्रभावित जगह पर लगाने से कुछ ही दिनों में कील-मुंहासों की प्रॉब्लम दूर हो जाएगी.

3. टैनिंग की प्रॉब्लम दूर करने में मददगार : चावल का आटा टैनिंग दूर करने में मददगार है. 1 चम्मच चावल के आटे में नींबू का रस मिलाकर एक पेस्ट तैयार कर लीजिए. इसे चेहरे पर लगाकर सूखने के लिए छोड़ दें. उसके बाद हल्के गुनगुने पानी से चेहरा धो लें.

4. एंटी-एजिंग फेस मास्क : चावल का आटा एक बेहतरीन एंटी-एजिंग मास्क है. इसमें अंडे को फेंट लें. इस मिश्रण में एक से दो बूंद ग्लिसरीन भी मिला लें. इसे चेहरे पर लगाकर सूखने दें. सूखने के बाद चेहरे को हल्के गुनगुने पानी से साफ कर लें.

आयुर्वेद व होमियोपैथी के अनुभवी डॉक्टरों द्वारा घर बैठे पायें उचित परामर्श व दवाईयां

आयुष समाधान

- सभी रोगों का अनुभवी डॉक्टरों द्वारा होमियोपैथी व आर्युवेद पद्धति से इलाज किया जाता है।
- रूपये 500/- से अधिक की दवाईयों पर निःशुल्क डिलेवरी
- किसी भी प्रकार की एलर्जी का इलाज किया जाता है।
- यौन रोगियों का सम्पूर्ण इलाज किया जाता है।
- रजिस्टर्ड डायटीशियन से वजन कम करने हेतु व अपने सही डाईट प्लान हेतु सम्पर्क करें

Email: info@ayushsamadhaan.com

www.ayushsamadhaan.com

FOR MORE DETAILS & BENIFITS VISIT OUR WEBSITE FOR REGISTRATION

ऑफिस में सहकर्मी करे परेशान तो ऐसे दें जवाब

ऑफिस में काम के अलावा खुद को साबित करने की चुनौती भी होती है. न केवल काम के नजरिये से बल्कि अपने सहकर्मियों के साथ आपका कैसा रिश्ता है और आप उनके साथ किस तरह तालमेल बिठाते हैं, आपकी सफलता काफी हद तक इस बात पर भी निर्भर करती है.

पर ऑफिस में कुछ लोग ऐसे भी होंगे, जो लगातार आपकी खामियों को गिनाते रहेंगे और उनकी पुरजोर कोशिश यही होगी कि आप अपना प्रोजेक्ट किसी भी हाल में पूरा न कर सकें और सीनियर्स व बॉस की नजर में आपकी नकारात्मक छवी बन जाए. ऐसे में ऑफिस के इन सहकर्मियों को डील करने में यहां दिए गए कुछ टिप्स आपकी मदद कर सकते हैं...

1. लोगों के बर्ताव को समझने की कोशिश करें

आप ऑफिस में लोगों को समझने की कोशिश करें. आपके ऑफिस में सबसे अच्छी दोस्ती हो ये जरूरी नहीं है, पर इसका मतलब ये नही कि आपको कोई नीचा दिखाने की कोशिश करेगा. सामने वाले का बर्ताव समझें और जानें क्या वह इंसान जानबुझ कर सता रहा है? अगर ऐसा है तो उनसे दूरी बना कर रखें.

2. भूल जाएं कि कोई आप पर धौंस जमा रहा है

जब आप कॉन्फिडेंट हैं तो आपको किसी से डरने की जरूरत नहीं है. आप अपना काम बखूबी जानते हैं और उसे करने का तरीका भी मालूम है. एक चीज याद रखें, अगर ऑफिस में आपको हर समय दबाया जाता है, या दादागरी दिखाई जाती है तो सिर्फ आप अपने काम से उन सबका मुंह बंद कर सकते हैं. ऑफिस की दादागरी को रोकने के लिए तरकीब बनाइये और ऑफिस में अपनी नई जगह बनाइए.

3. अपने खिलाफ गलत न सुनें

ये कहना जितना आसान है, उसे करना उतना ही मुश्किल. जब बिना मतलब के आपके बारे में गलत कहा जा रहा है तो उसे कतई न सुनें. अगर वह आपके सीनियर हैं, तो उनके सामने विनम्रता से पेश आएं. आप उन्हें बोल सकते हैं, कृपया बस कीजिये, मुझे काम करने दे, 'मत बोलिए प्लीज़' याद रखें गुस्से में भी चिल्लाकर या गाली देकर बात न करें. इससे बात बिगड़ सकती है और आप मुश्किल में पड़ सकते है. शांत और सुलझे हुए स्वर में उस इंसान को ये सब रोकने को बोलिए.

4. बुरे बर्ताव को डायरी में करें नोट

किस दिन किस बात पर आपके साथ गलत बर्ताव हुआ, सबका लेखा-जोखा एक डायरी में दर्ज करें. घटना की तारिख, समय, जगह और गवाह के नाम (अगर कोई उस वक्त आपके साथ था) जब आप अपने सुपरवाइजर को या अपने वकील और कानूनी टीम को गलत बर्ताव के बारे में जानकारी देगे तब ये रिपोर्ट बहुत काम आएंगी.

5. शान्त रहें और प्रतीक्षा करें

आप किसी भी तरह से गलत नहीं है और आपके पास पुख्ता सबूत है उसे अपने पास रखें. साथ ही अपना बिहेवियर शांत और प्रोफेशनल रखें. याद रखें बॉस के पास इमोशनल और भावुक होकर शिकायत लेकर न जाएं. आपका बॉस सोच सकता है कि आप राई का पहाड़ बना रहे हो जिससे समस्याएं पैदा हो सकती है. आप शांत रह कर अपने विचार अच्छे से अपने बॉस को बता सकते हो और अपना पक्ष मजबूत बना सकते है. ऐसा करने से हो सकता है कि आपके ऑफिस में आपके लिए एक बेहतर जगह बन जाए.

यहां स्कूलों में पढ़ाया जाएगी 'इमरजेंसी' की दास्तां, चैप्टर तैयार

राजस्थान के स्कूलों में बच्चों को अब इमरजेंसी पर एक चैप्टर पढ़ाया जाएगा. राजस्थान के शिक्षा मंत्री वासुदेव देवनानी ने विधानसभा में बताया कि राज्य की बीजेपी सरकार इमरजेंसी के दौरान हुए अत्याचार को नई पीढ़ी को बताना चाहती है. इसलिए स्कूली पाठ्यक्रम में इसे शामिल किया जाएगा.

आरएसएस के नजदीकी माने जाने वाले शिक्षा मंत्री ने बताया कि अगले शिक्षा सत्र से आने वाली किताबों में इमरजेंसी की कहानी का चैप्टर जुड़ जाएगा. राजस्थान सरकार के इस फैसले को कांग्रेस को घेरने की रणनीति के रुप में देखा जा रहा है, क्योंकि बीजेपी लगातार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तानाशाही रवैया अपनाने का आरोप लगाती रहती है.

बीजेपी सरकार कांग्रेस सरकार के इमरजेंसी के कारनामों को बच्चों को पढ़ाना चाहती है. गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले हीं सभी पार्टी सांसदों को कह चुके हैं कि 12 वहीं क्लास के बच्चों को जोड़ना शुरु करो. इमरजेंसी के उपर लिखे जा रहे इस पाठ्यक्रम को खुद शिक्षा मंत्री वासुदेव देवनानी के देख-रेख में तैयार किया जा रहा है.

देवनानी विधानसभा में यहीं नहीं रुके. बिना मुस्लिम समुदाय का नाम लिए हुए कहा कि कुछ लोग चांद को देखकर सारा काम करते हैं और जिस सूरज सो रोशनी पाते हैं उनसे इतनी नफरत है कि सूर्यनमस्कार तक नही करना चाहते हैं. ऐसा क्यों है उन्हें समझ में नही आता. उधक कांग्रेस ने इसे शिक्षा का राजनीतिकरण और भगवाकरण करार दिया है. कांग्रेस उपाध्यक्ष अर्चना शर्मा ने कहा कि बीजेपी सरकार बच्चों के बाल मन को भी अपनी संकुचित सोच की शिकार बना रही है.

JNU में MPhil और PhD के एडमिशन शुरु, जल्द करें आवेदन

जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी यानी JNU ने MPhil और PhD के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं. हालांकि इस बार सीट्स काफी कम कर दी गई हैं. सीटों की कमी के चलते पिछले हफ्ते दिल्ली हाईकोर्ट में MPhil और PhD कोर्सेस को लेकर छह के नए एडमिशन प्रोसेस को चुनौती देने वाली कुछ छात्रों ने याचिका दायर की थी. जिसे खारिज करते हुए कोर्ट ने कहा था कि इन कोर्सेज के लिए लष्ट के दिशा-निर्देश सभी यूनिवर्सिटीज पर लागू होते हैं.

वहीं छात्रों का कहना है कि इस नए एडमिशन प्रोसेज में सीटों की कमी होने के वजह से MPhil और PhD में एडमिशन नहीं मिलेगा. हालांकि इसके लिए रजिस्ट्रेशन शुरू हो गए हैं. MPhil और PhD में एडमिशन के लिए 21 मार्च से 5 अप्रैल के बीच आवेदन कर सकते हैं. कोर्स में एडमिशन एंट्रेंस एग्जाम और इंटरव्यू के जरिए होगा.

PRACHI MATHS & SCIENCE TUTORIALS
(Exclusive Tutorial for CBSE / ICSE) (VII-VIII- IX-X)
MATHS BY PRACHI HUNDAL MADAM
(Teaching Exp. 25 Years)
SCIENCE BY SENIOR FACULTIES
(Seperate Batch for CBSE & ICSE) USP ARE
★ For Personal attention
Small Batch Size (15 to 20 Students)
★ Homely Atmosphere
Excellent Previous Result
REGISTRATION OPEN
FOR 2017 SESSION Register today
& April early bird discount
Cont.- Mob.-9406542737, 9424312779
9B, SAKET NAGAR NEAR SPS. BEHIND BSNL OFFICE

ब्रह्मा-विष्णु-महेश, ईश्वर के तीनों रूपों और शक्ति का प्रतीक है 'ॐ'

सृष्टि के रचयिता ब्रह्मा, पालनहार विष्णु और संहारक महेश का संयुक्त रूप है ॐ. ज्योतिष के जानकारों की मानें तो इस शब्द में ही पूरी सृष्टि समाई हुई है. ॐ की ध्वनि, बिना किसी संयोग या टकराव के पूरे ब्रह्मांड में गूंजती रहती है. इसीलिए इसके उच्चारण से ही आसपास सकारात्मक ऊर्जा का संचार होने लगता है. यह ध्वनि इंसान की सुनने की क्षमता से बहुत ऊपर है. लेकिन जो लोग ध्यान की गहराइयों में उतरना जानते हैं, वे इस चमत्कारी ध्वनि को सुन सकते हैं.

ॐ की महिमा : तीन अक्षरों अ, ऊ और म से मिलकर बना है ॐ. इस लिहाज से इसे ईश्वर के तीन स्वरूपों- ब्रह्मा, विष्णु, और महेश का संयुक्त रूप कहा जाता है. यानी ॐ में ही सृजन, पालन और संहार शामिल हैं. तभी ॐ को स्वयं ईश्वर का ही स्वरूप माना गया है. ॐ के सही प्रयोग, उच्चारण और जाप से जीवन की हर समस्या दूर करने के साथ ही ईश्वर को भी पाया जा सकता है.

कैसे करें सही उच्चारण : ॐ की ध्वनि इतनी पवित्र है कि हमारे ऋषि-मुनियों ने हर मंत्र के पहले इसे जोड़ दिया. कहते हैं कि ॐ के साथ जुड़ते ही मंत्र की शक्ति कई गुना बढ़ जाती है. लेकिन इस ईश्वरीय शब्द के उच्चारण के भी कुछ नियम और सावधानियां हैं. अगर आप ॐ के जाप का पूरा लाभ पाना चाहते हैं तो जानें इसका सही उच्चारण कैसे करना है -

- ॐ का उच्चारण ब्रह्म मुहूर्त में या शाम के समय करें.
- ॐ का उच्चारण करते समय अपनी रीढ़ की हड्डी को सीधा रखें.
- ॐ का उच्चारण पूरा करने के बाद 10 मिनट तक जल का स्पर्श न करें.
- नियमित रूप से ॐ का उच्चारण करते रहने से दैवीयता का अनुभव होने लगेगा.

ॐ का सटीक और सरल प्रयोग कैसे करें : अपने आप में एक संपूर्ण मंत्र है ॐ. लेकिन इसका केवल धार्मिक महत्व ही नहीं है बल्कि विज्ञान भी इस दिव्य ध्वनि के चमत्कारों के सामने नतमस्तक है. जानें ॐ का जाप आपकी कहां और कितनी मदद कर सकता है:

उत्तम सेहत के लिए :

- दाहिने हाथ में तुलसी की एक बड़ी पत्ती लेकर ॐ का 108 बार जाप करें.
- फिर पत्ती को पीने के पानी में डाल दें और यही पानी पिएं.
- इस प्रयोग के दौरान तामसिक आहार से बचें

शिक्षा में सुधार के लिए

- एक पीले कागज़ पर लाल रंग से ॐ लिखें.
- ॐ के चारों ओर लाल रंग का एक गोला बना दें.
- इस कागज को पढ़ने वाली जगह पर सामने लगाएं.

वास्तु दोष मिटाने के लिए

- घर के मुख्य द्वार के दोनों ओर सिन्दूर से स्वस्तिक बनाएं.
- मुख्य द्वार पर ॐ लिखें.
- ॐ का यह प्रयोग मंगलवार की दोपहर को करें.

धन प्राप्ति के लिए

- एक सफेद कागज के टुकड़े पर हल्दी से ॐ लिखें.
- इस कागज़ को पूजा के स्थान पर रखकर अगरबत्ती दिखाएं.
- फिर कागज को मोड़कर अपने पर्स में रख लें.

इस 1 काम से मिलेगा पैसा, होगा प्रमोशन

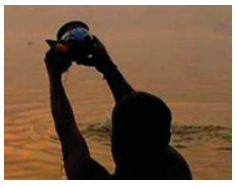

करियर में ठहराव आ जाने और बार-बार प्रमोशन रुकने से किसी भी व्यक्ति का मनोबल टूटने लगता है. अब एक बार फिर अप्रेजल टाइम आ गया है. कड़ी मेहनत करने के बावजूद अगर आपका प्रमोशन नहीं हो पा रहा है और पैसों की तंगी चल रही है तो कुछ उपाय आपकी मदद कर सकते हैं.

यदि आप नौकरी में प्रमोशन पाना चाहते हैं तो अपनी उम्र से बड़े हर व्यक्ति का सम्मान करें. इससे बड़ों का आशीर्वाद आपको मिलेगा और आपका सूर्य ग्रह मजबूत होगा. साथ ही पूरी ईमानदारी से अपना कर्म करें. अपने काम में किसी भी प्रकार की लापरवाही ना करें. इससे शनि से आपको अनुकूल फल मिलेगा.

गणपति की उपासना : ग्रहों का प्रभाव हमारे कार्य के अनुसार हमारे जीवन पर होता है, इसलिए कर्म को पूजा माना गया है. साथ ही प्रमोशन पाने के लिए नीचे बताएग गए उपायों में से कोई एक उपाय पूरी श्रद्धा से करें, आपको लाभ अवश्य होगा...

1-पान का पत्ता, 10 कमल के बीज, लाल चंदन अपने घर के पूजा स्थान में रखें, पान का पत्ता जब सूख जाए तो उसे हटा कर दूसरा रख दें.

2-प्रतिदिन 108 बार गायत्री मंत्र का जाप करें, सूर्य देव को जल दें

3- घर से निकलने के पहले अपने साथ थोड़ा सा आटा और गुड़ लेकर जाएं. रास्ते में गाय को खिला दें.

4-प्रतिदिन सुबह-सुबह सूर्य को जल अर्पित करें. जल तांबे के लोटे से चढ़ाना चाहिए.

5-गुरूवार को मंदिर में खाने-पीने की पीली चीजें दान करें, जैसे पीली रंग की खिचड़ी, पीले फल.

पूजाघर में कौन-सी चीज किधर, कैसे रखें...

पूजाघर देखने में कैसे सुंदर लगे, इसका खयाल तो लोग रखते ही हैं. साथ ही इस बात की भी जानकारी होनी चाहिए कि पूजा के काम में इस्तेमाल होनी वाली चीजों को किस तरह रखा जाए.

हमारे धर्मशास्त्रों में इस बारे में चर्चा की गई है कि पूजाघर में किस चीज को किस ओर रखना चाहिए. आगे इसकी जानकारी दी गई है...

1. घंटा, धूपदानी और जल से भरा पात्र बाईं ओर रखना चाहिए.

(घंटा वामदिशि स्थिताम्)

2. तेल का दीपक बाईं ओर, जबकि घी का दीप दाईं ओर रखना चाहिए.

(घृतदीपो दक्षिणतस्तैलदीपस्तु वामत:)

3. जल से भरा शंख दाईं ओर रखने का विधान है.

4. केसर, कपूर के साथ घिसा चंदन सामने की ओर रखना चाहिए. चंदन को तांबे के बर्तन में नहीं रखना चाहिए. चंदन का लेप पतला नहीं, बल्कि हमेशा ही गाढ़ा रखना चाहिए.

5. नैवेद्य आदि भगवान की मूर्ति के आगे रखना चाहिए. जल का चौकोर घेरा बनाकर बीच में नैवेद्य रखा जाना चाहिए.

6. शास्त्र में कहा गया है कि शंख को जल में डुबाना नहीं चाहिए. इसे जमीन पर भी नहीं रखना चाहिए.

7. जल को बिना छाने पात्र या कुंभ में नहीं रखना चाहिए.

रत्न धारण करते हुए भूल कर भी न करें

ये गलतीज्योतिष शास्त्र में रत्न पहनने के पूर्व कई निर्देश दिए गए हैं. रत्नों में मुख्यत: नौ ही रत्न ज्यादा पहने जाते हैं. सूर्य के लिए माणिक, चन्द्र के लिए मोती, मंगल के लिए मूंगा, बुध के लिए पन्ना, गुरु के लिए पुखराज, शुक्र के लिए हीरा, शनि के लिए नीलम, राहु के लिए गोमेद और केतु के लिए लहसुनियां.

पर रत्नों का आपके जीवन पर कैसा असर होगा, यह इस बात पर निर्भर करता है कि आपने उसे कैसे, किस दिन और किस समय में पहना है.

जब आप रत्न धारण करते हैं तो किन बातों का विशेष ख्याल रखें, ताकि रत्न आपको शुभ फल प्रदान करें. रत्न कब बदलें, क्या रत्नों को दूध में डालकर रखना चाहिए या नहीं आदि जैसे कई सवालों के जवाब यहां दिए जा रहे हैं...

रत्न पहनते समय क्या करें और क्या ना करें : किसी भी रत्न को दूध में ना डालें. अंगूठी को जल से एक बार धोकर पहनें. रत्न को दूध में डालकर रात भर ना रखें. कई रत्न दूध को सोख लेते हैं और दूध के कण रत्नों में समा कर रत्न को विकृत कर देते हैं. अपने मन की संतुष्टि के लिए अपने ईष्ट देवी की मूर्ति से स्पर्श करा कर रत्न धारण कर सकते हैं.

कब रत्न धारण ना करें : रत्न धारण करने से पहले यह देख लें कि कहीं 4, 9 और 14 तिथि तो नहीं है. इन तारीखों को रत्न धारण नहीं करना चाहिए. यह भी ध्यान रखें कि जिस दिन रत्न धारण करें उस दिन गोचर का चंद्रमा आपकी राशि से 4,8,12 में ना हो. अमावस्या, ग्रहण और संक्रान्ति के दिन भी रत्न धारण ना करें.

रत्न धारण करते समय मुख किस दिशा की ओर रखें

रत्न हमेशा दोपहर से पहले सुबह सूर्य की ओर मुख करके धारण करना चाहिए.

किस नक्षत्र में रत्न धारण करें : मोति, मूंगा जो समुद्र से उत्पन्न रत्न हैं, यदि रेवती, अश्विनी, रोहिणी, चित्रा, स्वाति और विशाखा नक्षत्र में धारण करें तो विशेष शुभ माना जाता है. सुहागिन महिलाएं रोहिणी, पुनर्वसु, पुष्य नक्षत्र में रत्न धारण ना करें. ये रेवती, अश्विनी, हस्त, चित्रा, अनुराधा नक्षत्र में रत्न धारण करें, तो विशेष लाभ होता है.

रत्न कब बदलें : ग्रहों के 9 रत्नों में से मूंगा और मोति को छोड़कर बाकी बहुमूल्य रत्न कभी बूढ़े नहीं होते हैं. मोती की चमक कम होने पर और मूंगा में खरोंच पड़ जाए तो उसे बदल देना चाहिए. माणिक्य, पन्ना, पुखराज, नीलम और हीरा सदा के लिए होते हैं. इनमें रगड़, खरोच का विशेष असर नहीं होता है. इन्हें बदलने की जरूरत नहीं होती है.

किस धातु में रत्न धारण करें : महंगे रत्न सोने में धारण करें और सस्ते रत्न जैसे मोति, मूंगा और उपरत्न चांदी या सस्ती धातु में धारण कर सकते हैं.

मूवी रिव्यू : ब्यूटी एंड द बीस्ट

भोपाल, अजय सिसौदिया (फिल्म समीक्षक)

डिज्नी की कोई फिल्म रिलीज हो और उसकी चर्चा न हो, भला ऐसा कैसे हो सकता है? साल 1991 में रिलीज हुई एनिमेटेड फिल्म 'ब्यूटी एण्ड दि बीस्ट' के लाइव एक्शन रीमेक में ऐसी कई खूबियां हैं जो इसे खास बनाती हैं। हैरी पॉटर की हरमायनी यानी एमा वॉटसन एक बार फिर आप सबके सामने हैं। इस बार एक राजकुमारी के रूप में। डिज्नी की राजकुमारी। और इस राजकुमारी का दिल आ गया है एक बीस्ट यानी राक्षस पर। ठीक समझे। बात डिज्नी की फिल्म 'ब्यूटी एण्ड दि बीस्ट' की ही हो रही है। डिज्नी ने एनिमेटेड फिल्मों का लाइव एक्शन रीमेक बनाने का जो सिलसिला शुरू किया था, वह काफी पसंद किया जाता रहा है... फिर चाहे वह सिंड्रैला हो या जंगल बुक।

इस फिल्म से भी यह सिलसिला बरकरार रहेगा, ऐसी उम्मीद है। फिल्म के डायरेक्टर बिल कॉन्डन आपको 90 के दशक की डिज्नी फिल्मों में ले जाते हैं। फिल्म एक छोटे से गांव में रहने वाली बेल (एमा) और एक शाप की वजह से बीस्ट बन चुके एक फ्रांसीसी राजकुमार (डैन स्टीवेंस) की कहानी सुनाती है। किस्मत दोनों को मिलाती है, दोनों में प्यार होता है और ज्यादातर परीकथाओं की तरह फिल्म की 'हैप्पी एंडिंग' होती है। कहानी कुछ ऐसी है की एक व्यापारी अपनी बेटी के साथ रहता था जिससे उसको बेहद प्यार था. एक दिन उसे किसी काम से दूसरे देश जाना था, जाने से पहले व्यापारी ने अपनी बेटी से पूछा, 'मेरी प्यारी बच्ची, कहो मैं परदेस से तेरे लिए क्या लाऊं?' बेटी जिसका नाम बेल था, उसने अपने पिता से कहा कि वह उसके लिए एक गुलाब का फूल ले आये. व्यापारी ने उपहार लाने का वादा किया और अपने सफर पर निकल पड़ा.

अपना काम खत्म कर के व्यापारी जब अपने घर की ओर चला, तो वह तूफ़ान में फंस गया और रास्ते से भटक गया. बहुत कोशिशों के बाद भी वह अपने घर का रास्ता ना ढूंढ सका, तब तक तो अँधेरा भी हो चुका था. तभी अचानक उसकी नज़र एक रौशनी पर पड़ी जो दूर एक महल से आ रही थी. व्यापारी ने सोचा शायद महल में उसे रात बिताने की जगह मिल जाये, इसलिए वह उस तरफ चल पड़ा. जब व्यापारी महल में पंहुचा तो, महल में कोई भी नहीं था. आश्चर्य की बात थी कि खाने की मेज़ पर कई प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजन रखे हुए थे, परन्तु उन्हें खाने वाला कोई नहीं दिख रहा था. व्यापारी ने जब महल के बागीचे में सुन्दर गुलाब खिले देखे, तो उसे बेल से किया हुआ वादा याद आ गया. उसने एक फूल तोडा और घर की ओर जाने लगा तभी वहाँ एक भयानक जीव प्रकट हुआ और बोला, 'मैंने तुम्हे अपना भोजन खाने दिया, और तुम मेरे ही बागीचे से गुलाब तोड़ रहे हो. तुम्हे इसकी सज़ा भुगतनी होगी.' व्यापारी कांपते हुए बोला 'मुझे माफ़ कर दो,यह गुलाब मैंने अपने लिए नहीं तोड़ा, अपनी बेटी के लिए तोड़ा था. मैंने अपनी बेटी से वादा किया था कि मैं उसके लिए गुलाब का फूल लाऊंगा.' यह सुनते ही राक्षस ने व्यापारी को उम्र क़ैद की सजा दे दी। जब बेल को ये पता लगा की उसके पापा जेल में है। उसने उन्हें वहां से निकलवाकर वो सजा खुद ले ली।

ब्यूटी जब राक्षस के महल पहुंची तो बहुत घबराई हुई थी, राक्षस का भयानक चेहरा देख कर वह बहुत डर गयी. लेकिन राक्षस ने उसका खुले दिल से स्वागत किया. राक्षस ने उसे रहने के लिए अपने महल का सबसे अच्छा कमरा दिया और वो उसके पास घंटों तक बैठा रहता और उसे निहारता रहता. धीरे-धीरे दोनों को एक दुसरे का साथ अच्छा लगने लगा और वे अच्छे दोस्त बन गए. अब वह दोनों सारा सारा दिन एक दूसरे से बातें करते और खुश रहते. राक्षस को बेल बहुत अच्छी लगती थी और वह उससे शादी करना चाहता था, लेकिन डरता था कि बेल एक राक्षस से कभी शादी नहीं करना चाहेगी. बड़ी हिम्मत जुटा कर एक दिन उसने बेल से अपने दिल की बात कहने का फैसला किया. जब वह बेल के पास पहुंचा तो देखा कि वो अपने पिता को याद करके बहुत उदास है. उससे ब्यूटी की उदासी देखी नहीं गयी और उसने ब्यूटी को एक जादुई शीशा दिया जिससे वह अपने पिता को देख सके. बेल ने अपने पिता को देखा तो वह बहुत बड़े संकट में थे. यह देख उसने अपने पिता से मिलने की इच्छा जताई. राक्षस ने उसे पिता से मिलने की इजाज़त दे दी .बेल अपने घर चली गयी.

वापस आने के बाद जब बेल को ये पता चला की उसके गाँववाले राक्षस के पीछे पड़ गए है और वो उसको मार सकते है तो वह महल वापस आ गयी और उसने पाया कि राक्षस बगीचे में बेसुध पड़ा हुआ था जैसे वह मर चुका हो. ब्यूटी उसे देखते ही रो पड़ी, 'तुम मुझे छोड़ कर मत जाओ, मैं तुमसे बहुत प्यार करती हूँ और तुमसे शादी करना चाहती हूँ. मैं अपनी सारी ज़िन्दगी तुम्हारे साथ बिताना चाहती हुँ.' जैसे ही ब्यूटी ने यह शब्द कहे, एक रौशनी ने राक्षस को ढक लिया, और जब रौशनी गायब हुई तो भयानक और क्रूर दिखने वाला राक्षस एक खूबसूरत राजकुमार में बदल चुका था. राजकुमार ने बताया कि एक दुष्ट जादूगरनी ने उसे एक राक्षस बना दिया था और सच्चे प्यार से ही उस जादू को तोडा जा सकता था. बहुत समय से राजकुमार उस लड़की को ढूंढ रहा था, जो उससे उस रूप में प्यार करे जिससे सब डरते थे, जो उसकी सूरत से नहीं बल्कि उसके गुणों को चाहे. आखिरकार राजकुमार को उसका सच्चा प्यार मिल गया और वह बहुत खुश था. जल्द ही ब्यूटी और राजकुमार की शादी हो गयी और वह अपनी गुलाबों सी खूबसूरत दुनिया में हसी खुशी रहने लगे. इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें किसी की सूरत को देखकर उसकी सीरत का अंदाजा नहीं लगाना चाहिए. इन्सान का बाहरी रूप सिर्फ दिखावा है, उसका साफ दिल, उसके गुण देखकर इन्सान से प्यार किया जाता है. इस फिल्म की कहानी से ज्यादा दिलचस्प हैं इसके स्पेशल इफेक्ट्स जिन्हें देखने का मजा 3-डी में ही है। जिस किले में बीस्ट रहता है, उसकी विंटेज ढंग से की गई सजावट को कैमरा जिस तरह दिखाता है, उसकी वजह से स्क्रीन से नजरें हटाना मुश्किल हो जाता है। इतना ही नहीं, किले की बहुत सारी चीजें इंसानों की तरह बात करती और चलती हैं, जैसे कि एक केतली और एक कप जो दरअसल मां-बेटे हैं, एक मोमबत्ती स्टैंड, एक घड़ी, एक पियानो और एक अलमारी।

जबर्दस्त एनिमेशन के जरिये दशाई गई ये चीजें फिल्म में मस्ती का पुट लेकर आती हैं। दरअसल ये कभी राजकुमार के दरबारी थे जो शाप की वजह से इन चीजों में बदल चुके हैं। फिल्म में एनिमेटेड ब्यूटी एण्ड दि बीस्ट फिल्म के कई गाने भी हैं। अगर आपने पुरानी फिल्म देखी थी, तो हो सकता है आप पुरानी यादों में खो जाएं और अगर नहीं देखी तो ये गाने आपको अखर भी सकते हैं क्योंकि ये थोड़े लंबे हैं।

फिल्म की जान है ब्यूटी और बीस्ट यानी बेल और बीस्ट के बॉल डांस वाला सीन। एमा इस सीन में गजब की खूबसूरत तो दिखी ही हैं, उनकी बीस्ट के साथ केमिस्ट्री एक ऐसे रोमांस को महसूस कराती है, जिसमें रोमांच भी शामिल है। फिल्म के बाकी हिस्सों में भी अगर यही शिद्दत होती, तो बात कुछ और होती। विलेन के रूप में ल्यूक ईवन्स का काम भी शानदार है। बच्चों को यह फिल्म काफी पसंद आएगी।

मैं इस दर्शनीय फ़िल्म को 5 में से 3.5 स्टार देता हूँ।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक : पराग वराडपांडे द्वारा राष्ट्रीय हिन्दी मेल, प्लॉट नम्बर-3, लिंक रोड नम्बर-3, पत्रकार कॉलोनी के पास, भोपाल - म. प्र से मुद्रित कराकर, प्लाट नं. -12, सेक्टर-ए, परस्पर सोसायटी चूनाभट्टी, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित। सम्पादक: पराग वराडपांडे, मो. 9826051505,आर.एन.आई. नं. **MPHIN/2015/66655, editor@trikaldrishti.com** (विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)